>

Title: Need to accord special status to the State of Bihar and provide adequate funds for its overall development.

श्री अर्जुन राय (सीतामढ़ी): कुछ वर्ष पूर्व बिहार राज्य का विभाजन कर बिहार एवं झारखंड राज्य बना दिये गये। झारखंड जब बिहार का हिस्सा था तो उत्तर बिहार में बाढ़ जैसे प्रकोप के चलते उद्योग वगैरह मध्य बिहार में जो आज झारखंड में हैं, ज्यादातर लगाये गये। खनिज सम्पदा के चलते बिहार की पूर्व सरकारों ने बिहार के राजस्व का अधिकांश हिस्सा झारखंड में निवेश किया एवं उत्तर बिहार का हिस्सा औद्योगिक निवेश से वंचित रहा, जिसके कारण रोजगार झारखंड में ही बढ़ा। परिणामस्वरूप आज बिहार के पास आय के पर्याप्त स्रोत नहीं हैं, जिसके चलते बाढ़ जैसी समस्या का समाधान एवं विकास कार्य नहीं हो पा रहे हैं। बिहार सरकार बराबर बिहार को विशेष दर्जा देकर वित्तीय सहायता की मांग करती रही है, परंतु केन्द्र सरकार ने इसे अभी तक स्वीकार नहीं किया है।

सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देकर वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाये, जिससे बिहार भी अन्य राज्यों की तरह अपना विकास कर सके और बिहार से अन्य राज्यों को होने वाले पलायन को रोका जा सके।